

खार्जूर पुं. (तत्.) खजूर के रस से बनी शराब, वैद्यक में इसे कफनाशक, कषाय और मद्य पान माना जाता है **वि.** (तत्.) खजूर संबंधी खजूरी।

खार्वा स्त्री. (तत्.) त्रेतायुग, दूसरा युग।

खाल स्त्री. (देश.) 1. मनुष्य, पशु आदि के शरीर से उतारी गई त्वचा, चमड़ा 2. किसी चीज का अंगीकृत आवरण 3. मृत शरीर, धौंकनी, भाती मुहा. खाल उधेड़ना (खींचना)- शरीर पर से चमड़ा खींचकर अलग करना, बहुत मारना या पीटना, कड़ा दंड देना अपनी खाल में मस्त रहना- अपने पास जो कुछ हो उसी में मस्त रहना **स्त्री.** (देश.) 1. नीची भूमि 2. खाड़ी 3. खाली जगह, अवकाश 4. गहराई, निचाई **पुं.** (अर.) 1. शरीर का काला दाग, तिल 2. अभिमान, अहंकार, गरूर 3. मामूँ (माता का भाई)।

खालसा/खालिस वि. (अर.) 1. जिसमें किसी प्रकार का मेल न हो शुद्ध 2. जिस पर केवल एक का अधिकार हो 3. सिखों का एक विशेष संप्रदाय जैसे- सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी मुहा. खालसा करना- स्वायत्त करना, जब्त करना।

खाला स्त्री. (अर.) माँ की बहन, मौसी **वि.** (देश.) नीचा, निम्नस्थान मुहा. खाला का घर- सहज काम, बहुत आसान काम।

खालिक वि. (तत्.) खलिहान की तरह **पुं.** (अर.) बनाने वाला, सृष्टिकर्ता, ईश्वर जैसे- खालिक की मेहरबानी से सब दुख दूर हो जाते हैं।

खालिफ वि. (अर.) बहुत अधिक प्रतिकूल पुरुष, जिससे किसी को यश न मिले, रावटी का खंबा।

खालिस वि. (अर.) 1. शुद्ध, खरा 2. सच्चा 3. जिसमें कोई दूसरी वस्तु न मिली हो, बेमेल जैसे- खालिस दूध ही स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

खालिसाना पुं. (अर.) शुद्ध निस्वार्थ भाव से।

खाली पुं. (अर.) तबला, मृदंग आदि बजाने में वह ताल जो खाली छोड़ दिया जाता है और जिसमें बाएँ हाथ का आघात नहीं लगाया जाता इसका व्यवहार ताल की गिनती ठीक रखने के लिए किया जाता है जैसे- रुद्रताल 16 तालों का होता है जिसमें ग्यारह आघात और पाँच खाली होते हैं **वि.** 1. जो भरा न हो, रीता, रिक्त, जिसके अंदर कुछ न हो जैसे- भावनाओं से खाली व्यक्ति पत्थर के समान है 2. जिस पर कुछ न हो, जिसपर कोई काम न हो, सावकाश, व्यर्थ, बेकार जैसे- गर्मियों में किसान खाली नजर आते हैं 3. रिक्त, रहित, विहीन जैसे- उनका घर खाली पड़ा है, यह जंगल जानवरों से खाली हो गया, हमारा मकान खाली कर दो 4. जिसे कुछ काम न हो या किसी कार्य में न लगा हो 5. जो व्यवहार में न हो या जिसका काम न हो 6. व्यर्थ, निष्फल मुहा. खाली हाथ होना- निर्धन होना; खाली पेट- बासी मुँह, बिना अन्न खाए; खाली हाथ-बिना कुछ चीज या पैसे के; खाली बैठना- बेरोजगार रहना, बेकार बैठना; खाली जाना- निशाने पर लगना, व्यर्थ होना; बात खाली जाना- वचन निष्फल होना; खाली दिन- जिस दिन कोई शुभ कार्य न किया जाए; खाली कर देना- दूसरे के बार को बचा जाना; खाली महीना या खाली चाँद- मुसलमानों का ग्यारहवाँ महीना जो अशुभ माना जाता है।

खालू पुं. (फा.) 1. माँ की बहन का पति, मौसा 2. मामूँ।

खाविंद पुं. (फा.) 1. पति, खसम, शौहर 2. मालिक, स्वामी मुहा. खाविंद करना- नया पति करना।

खाविंदी स्त्री. (फा.) 1. स्वामित्व, पतित्व 2. दया, कृपा।

खास वि. (अर.) 1. विशेष, मुख्य, प्रधान 2. आत्मीय, प्रिय 3. स्वयं, खुद 4. ठेठ, ठीक मुहा. खास-खास- चुनिंदा, गिने-चुने विलो. आम।

खासगी वि. (अर.) 1. राजा या मालिक का 2. निज का, निजी।